

भारत सरकार  
जल शक्ति मंत्रालय  
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न सं. 2318  
दिनांक 13.03.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

गोबरधन पहल

2318. श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:  
श्री धर्मबीर सिंह:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) गोबरधन पहल की वर्तमान प्रगति क्या है और अब तक कितने जैव-मिथेनीकरण संयंत्र स्थापित किए गए हैं;
- (ख) अपशिष्ट से ऊर्जा रूपांतरण में दक्षता और उत्पादकता बढ़ाने के लिए गोबरधन पहल में शामिल की जा रही प्रौद्योगिकियों अथवा नवाचारों का ब्यौरा क्या है; और
- (ग) ग्रामीण और कृषिगत क्षेत्रों के लिए बायोगैस और कम्पोस्ट की उपलब्धता बढ़ाने में उक्त पहल का क्या योगदान है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति  
(श्री वी. सोमण्णा)

(क): गोबरधन पहल मवेशियों के गोबर, कृषि अवशेषों और अन्य जैविक कचरे को बायोगैस, संपीडित बायोगैस (सीबीजी) और जैविक खाद में परिवर्तित करके धन और ऊर्जा सृजित करने के लिए भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है। विभिन्न मंत्रालय/विभाग (भारत सरकार) इस पहल के कार्यान्वयन के लिए तथा चक्रीय अर्थव्यवस्था को अधिक बढ़ावा देने हेतु "समग्र सरकार" दृष्टिकोण के रूप में मिलकर काम कर रहे हैं। संपीडित बायो गैस (सीबीजी) संयंत्रों के पंजीकरण को सुविधाजनक बनाने हेतु गोबरधन के लिए एक एकीकृत पंजीकरण पोर्टल विकसित किया गया है। आज की तारीख तक, संयंत्र प्रस्तावकों द्वारा 870 सीबीजी संयंत्र पंजीकृत किए गए हैं, जिनमें से 122 सीबीजी संयंत्र कार्यशील है, जिनकी संस्थापित क्षमता 786 टन प्रतिदिन (टीपीडी) है।

(ख): गोबरधन पहल मुख्य रूप से संपीडित बायोगैस (सीबीजी) और बायोगैस को सीबीजी में बदलने के लिए उपयोग की जा रही विभिन्न तकनीकों या नवाचारों पर केंद्रित है जो कार्य दक्षता और उत्पादकता को बढ़ाती हैं और निम्नानुसार हैं:

- वाटर स्क्रबिंग
- प्रेशर स्विंग एडसोरपशन
- केमिकल स्क्रबिंग
- मेमबरेन सेपरेशन

(ग): गोबरधन के तहत बायोमिथेनेशन के लिए स्थानीय बायोजेनिक अपशिष्ट (कृषि अवशेष, पशु गोबर, एमएसडब्ल्यू का जैविक अंश आदि) का उपयोग ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों के लिए बायोगैस/सीबीजी की उपलब्धता को बढ़ाता है। उत्पादित सीबीजी स्वच्छ ईंधन का एक वैकल्पिक स्रोत है जिसे सीएनजी के साथ मिश्रित किया जा सकता है और वाहन ईंधन के रूप में उपयोग किया जा सकता है या पाइपलाइन में इंजेक्ट किया जा सकता है। जबकि बायोमिथेनेशन प्रक्रिया के दौरान किण्वित जैविक खाद (एफओएम) और तरल किण्वित जैविक खाद (एलएफओएम) के उत्पादन से ग्रामीण और कृषि क्षेत्र के लिए कम्पोस्ट या जैविक खाद की उपलब्धता बढ़ जाती है।

\*\*\*\*\*